Seventeenth Loksabha

>

Title: Need for compensation to farmers for their crop loss due to hailstorm in Jaisalmer and Nagaur districts in Rajasthan.

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर): माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से राजस्थान में रविवार रात से ही तबाही मचा रहे बवंडर व ओलावृष्टि से हुए नुकसान की तरफ भारत सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए यह अवगत कराना चाहता हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्र- नागौर सहित 1 दर्जन से अधिक जिलों में ओलावृष्टि व तेज आंधी से 1000 करोड़ रुपए से अधिक की फसलें चौपट हो गईं हैं, वही तीन हजार से ज्यादा पेड़ गिर गए हैं । यह तेज अंधड़ इतना खतरनाक था कि हवाई उड़ानों को घंटों तक लैंड करने में दिक्कत हुई । दिल्ली-किशनगढ़ हवाई जहाज दो घंटे तक हवा में रहा । इसके साथ ही, हजारों बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर, कच्ची झोपड़ियां एवं टीन शेड उखड़ गए । कुछ ऐसी स्थिति कल बीकानेर और चुरू जिलों सहित दर्जनों क्षेत्रों में हुई । मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि एनडीआरएफ की टीम भेजकर वहां इसका आकलन कराया जाए क्योंकि राजस्थान में काफी नुकसान हुआ है । इसके साथ ही यहां के लिए स्पेशल पैकेज की घोषणा भी की जाए ।

सभापति महोदय, इस तबाही ने सबसे ज्यादा नुकसान जैसलमेर जिले में किया है । इस ओलावृष्टि व तूफान से जीरा, ईसबगोल व चने की फसलें नष्ट हो गई हैं और आमजन को भी भारी नुकसान हुआ है । अत: आपके माध्यम से मेरा केंद्र सरकार से निवेदन है कि वह अपने स्तर पर तत्काल आर्थिक पैकेज जारी करे । साथ ही, फसल बीमा कंपनियों को तत्काल पाबन्द करके प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द क्लेम दिलवाएं । इसके साथ ही मैं निवेदन करूँगा की पशुधन की वास्तविक हानि के अनुसार मुवावजा दिया जाए । इसका प्रस्ताव भी भारत सरकार के पास अभी लंबित है, वहीं किसान के खेत के खसरे को इकाई मानकर खराबे के वास्तविक आकलन का भुगतान किसान को कराया जाए ।

माननीय सभापतिः शून्य काल समाप्त होने तक सदन का समय बढ़ाया जा रहा है । सभी को अवसर मिलेगा, कृपया धैर्यपूर्वक बैठे रहें । जो बोल चुके हैं, वे भी कृपया सदन में ही रहें ।